ऋण का इकरारनामा

हम निम्नांकित व्यक्ति जो क्रमशः क ख आयु लगभग .... सुपुत्र .... उस धनराशि और सीमा तक ऋणदाता है जो इस पत्र के अंत में हमारे नामों के सामने लिखा है तथा हम अलग–अलग अपने–अपने ऋणों के सम्पूर्ण उन्मोचन (Discharge) को स्वीकार करते हैं। जिसका प्रशमन ......पैसा प्रति रूपये की दर से किया जायगा तथा जिसकी अदायगी निम्नलिखित रीति से की जायगी।

(यहाँ अदायगी की शर्त या किस्तों का ब्योरा दीजिए)

उक्त विभिन्न अदायगियों तथा उनकी किस्तों की धनराशि के निमित्त ....आयु.....वर्ष सुपुत्र.......निवासी.......का वचन पत्र (Promissory note) ही प्रतिभूति (Scurity) होगा। और उक्त किस्तों तथा रीति से प्रशमन की अदायगी हो जाने पर हम अलग–अलग इस बात का इकरार करते है कि उक्त क ख की प्रार्थना तथा उसके खर्च पर उसके पक्ष में अपने अपने सभी उक्त ऋणों और उक्त ऋणों से सम्बन्धित दावों मागों (Demands) उपचारों (Remedies) से सम्पूर्ण सम्मोचन (Release) तथा उन्मोचन (Discharge) कर देगें।

और यदि उक्त प्रशमन की हमारे द्वारा क्रमशः ऐसे सम्मोचन सम्बन्धी निष्पादन सम्बन्धी निष्पादन के पूर्व ही अदायगी कर दी जायगी तो उक्त प्रशमन की उपर्युक्त रीति से पूर्ण अदायगी और उक्त सम्मोचन तक के लिए यह पत्र हम पर बाध्य होगा और उक्त क ख के प्रति हमारे क्रमशः होने वाले ऋण तथा उस ऋण से संबंधित दावों तथा मांगों का तथा उक्त सारे ऋण की वसूली के हमारे सब अधिकारों तथा उपचारों का उन्मोचन करेगा और हमारे अलग–अलग के उक्त ऋणों के संबंध में हममें से किसी के द्वारा उक्त क ख के विरूद्ध चलाए गये वाद के विरूद्ध इस पत्र के आधार पर अभिवचन (Pleaded) किया जा सकेगा तथा उसको इसी रुप में प्रयुक्त किया जा सकेगा।

आज 20............के.....................के दिन को...........पर दिनांकित किया गया है।

(हस्ताक्षरित)

1

2

3

4 आदि

ऋणदाता

क्र.सं.	ऋणदाताओं के नाम तथा पूरा पता	ऋण की धनराशि	ऋण किस प्रकार प्राप्त किया गया	ऋणदाताओं के हस्ताक्षरों के साक्षी
आदि				